अनुमोदित
2018-19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम.ए. (संगीत–गायन)

सत्र - 2018-19

संकाय – ललितकला

(नियम, परीक्षा योजना, अंक योजना एवं पाठ्यक्रम)

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
एम.ए. (संगीत–गायन)

आवश्यकता :– भारतीय संगीत में गायन सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंग है। गायन के तत्वों को विस्तृत रूप से जानने एवं शास्त्रीय गायन कला में निपुण होने हेतु इसके विस्तृत अध्ययन की नितांत आवश्यकता है।

उद्देश्य :–

1. शास्त्रीय गायन में छात्र छात्राओं को मंच प्रदर्शन हेतु तैयार करना
2. छात्र छात्राओं में भारतीय शास्त्रीय संगीत की समझ विकसित करना।
3. भारतीय शास्त्रीय संगीत को लोकप्रिय बनाना।
4. संगीत के विद्यार्थियों को रोजगार हेतु तैयार करना।

महत्व – संगीत शिक्षण एक क्रियात्मक विद्या है। जिसे लिखकर या पढ़कर, पूर्ण रूप से नहीं सीखा जा सकता। चाहे वह वादन, नृत्य या गायन कला हो। गुरू के समक्ष, प्रत्यक्ष रूप में बैठकर ही ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। अतः आज के समय के अनुसार संस्थागत संगीत शिक्षण पद्धति में, सामान्जस्य बनाकर संगीत शिक्षण का विशेष महत्व है।

24/4/2018

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम.ए. (संगीत–गायन)

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र – संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धांत (सैद्धांतिक)

अधिकतम अंक – 100 | 5 क्रेडिट | उत्तीर्णांक – 40

(आंतरिक मूल्यांकन–30)

(लिखित परीक्षा –70)

इकाई प्रथम –(अ) विस्तृत अध्ययन के राग –

1. यमन
2. रागेश्री
3. सूर मल्हार
4. अहीर भैरव

(ब) सामान्य अध्ययन के राग –

1. नंद
2. बागेश्री
3. मेघ मल्हार
4. भैरव

इकाई द्वितीय –(अ) निम्नांकित तालों को सामान्य लयकारियों के साथ–साथ आड, कुआड एवं बिआड़ लय में लिखना –

1. आड़ा यारताल
2. तिलवाड़ा
3. पंजाबी

(ब) विशिष्ट स्वर समूह द्वारा राग पहिचानना एवं उनका शास्त्रीय परिचय।

इकाई तृतीय –(अ) अपने पाठ्यक्रम के रागों में बिलम्बित एवं मध्यलय ख्याल की स्वरलिपि, मुक्तालाप, तानों एवं बोलतानों सहित लिखना।

(ब) अपने पाठ्यक्रम के रागों में ध्रपद एवं धमार स्वरलिपि एवं तिहाईयों सहित लिखना।

इकाई चतुर्थ – पद रचना –

(अ) पद रचना के सिद्धांत

(ब) दिए गए पद को उचित राग, भावः ताल सहित स्वरबद्ध करना।

इकाई पंचम –(अ) संगीत विषयक विस्तृत निबंध 600 शब्दों में।

(ब) 20 वीं एवं 21 वीं शताब्दी के महिला संगीतकारों की जीवनी एवं सगीत में योगदान। जैसे हीराबाई, बड़ोदकर, गिरिजा देवी, एम.एस. सुब्बलक्ष्मी, गंगुबाई हुंगल, एन राजम।

24/4/2018

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. राग परिचय – भाग I से 4 तक (डॉ.हरिशचन्द्र श्रीवास्तव)
2. संगीत विशारद – ('वसंत' एवं लक्ष्मीनारायण गर्ग)
3. क्रमिक पुस्तक मालिका – भाग 1 से 6 तक
4. अभिनव गीतांजली – भाग 1 से 5 तक – पं.रामाश्रय झा
5. भारतखण्ड संगीत शास्त्र – भाग 1 से 4 त
6. संगीत बोध – ल.ना.गर्ग
7. संगीत मैनुअल – डॉ.मृत्यूंजय शर्मा

24/4/2018

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम.ए. (संगीत–गायन)

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र – भारतीय संगीत का इतिहास – (वैदिक काल से गुप्त काल तक) (सैद्धांतिक)

अधिकतम अंक – 100 | 5 क्रेडिट | उत्तीर्णांक – 40

(आंतरिक मूल्यांकन–30)

(लिखित परीक्षा –70)

इकाई प्रथम – <u>वेद कालीन संगीत –</u>

1. सामवेद
2. सामस्वरों का विकास
3. साम संगीत का गान प्रणाली

इकाई द्वितीय –

1. पुराणों में संगीत
2. प्रतिशाख्य में संगीत
3. शिक्षा ग्रंथों में संगीत

इकाई तृतीय – महाकाव्यों में संगीत

1. रामायण कालीन संगीत
2. महाभारत कालीन संगीत

इकाई चतुर्थ –

1. बौद्ध कालीन संगीत
2. जैन कालीन संगीत

इकाई पंचम –

1. मौर्य काल में संगीत
2. गुप्त काल में संगीत

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. राग परिचय – भाग I से 4 तक (डॉ.हरिशचन्द्र श्रीवास्तव)
2. संगीत विशारद – ('वसंत' एवं लक्ष्मीनारायण गर्ग)
3. क्रमिक पुस्तक मालिका – भाग 1 से 6
4. भारतीय संगीत का इतिहास – उमेश जोशी
5. भारतीय संगीत का इतिहास – भगवतशरण शर्मा
6. भारतीय संगीत का इतिहास – धर्मावती श्रीवास्तव

24/4/2018

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
एम.ए. (संगीत–गायन)
प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र – प्रायोगिक I (राग गायन)

अधिकतम अंक – 100 | उत्तीर्णांक – 40

विस्तृत अध्ययन के राग –

1. यमन
2. रागेश्री
3. सूर मल्हार
4. अहीर भैरव

सामान्य अध्ययन के राग –

1. नंद
2. बागेश्री
3. मेघ मल्हार
4. भैरव

निम्नलिखित तालों को प्रदर्शित करना :–

1. एकताल
2. तीनताल (त्रिताल)
3. चौताल
4. तिलवाड़ा

विस्तृत अध्ययन के लिए निर्धारित रागों में से एक–एक विलम्बित ख्याल तथा सभी रागों में एक–एक मध्यलय ख्याल गायकी सहित तैयार करना होगा।

सामान्य अध्ययन के लिए निर्धारित रागों में से किन्हीं तीन रागों में एक मध्यलय ख्याल एवं राग स्वरूप।

२४।५।२०१८

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम.ए. (संगीत–गायन)

प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र – प्रायोगिक II (मंच प्रदर्शन)

अधिकतम अंक – 100 उत्तीर्णांक – 40

विस्तृत अध्ययन के राग :–

विस्तृत अध्ययन के लिए निर्धारित रागों में से परीक्षार्थी द्वारा तैयार किए गए पाँच रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित एक राग 30 मिनिट तक प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित रागों में दो ध्रुपद, दो धमार नोम तोम और लयकारी के साथ तैयार करने होंगे।